महत्वपूर्ण एवं खास

ईडी के अधिकारियों से पहचान बताकर केस खत्म करने के नाम पर 20 लाख की ठगी, मुंबई से पकड़ा गया

रायपुर (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक आरोपित को मुंबई से गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने ईडी की कार्रवाई को प्रभावित करने और एजेंसी के जॉइंट डायरेक्टर समेत कई अधिकारियों से सीधा संपर्क बताकर मामला खत्म करा देने का झांसा देकर कोयला घोटाला मामले में जेल में बंद एक आरोपित के परिजन से कथित रूप से 20 लाख ठग लिए। ईडी इस आरोपित को अदालत में पेश कर रिमांड मांगेगी। वहीं दो खनिज अधिकारियों की रिमांड भी ईडी आज मांगेगी। रायपुर कोर्ट में ईडी आज उन चार आवेदनों पर अपना पक्ष रखेगी, जिसमें ईडी पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं। खबरें हैं कि कोयला घोटाला और वसूली रैकेट मामले के किंगपिन सूर्यकांत तिवारी और उप सचिव सौम्या चौरसिया के विरुद्ध में चालान आज पेश नहीं होगा।

बस्तर संभाग के दरभा से छात्र रूपेश ने प्रधानमंत्री से किया सवाल

जगदलपुर (आरएनएस)। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के बच्चों के साथ परीक्षा पर चर्चा की। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शहर सहित सभी स्कूलों में किया गया। इधर बस्तर संभाग से चयनित एक मात्र छात्र दरभा के स्वामी आत्मानंद स्कूल के छात्र रूपेश कश्यप ने कल प्रधानमंत्री से सवाल किया। रूपेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा कि परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग को कैसे रोका जा सकता है। इस पर पीएम मोदी ने जवाब देते हुए कहा कि जो बच्चे चीटिंग या अनुचित साधनों का उपयोग कर परीक्षा पास होते हैं, वे भविष्य में कामयाब नहीं हो पाते हैं। जबकि कठिन परिश्रम कर परीक्षा में उत्तर लिखने वाले बच्चा ही भविष्य में एक कामयाब इंसान बन पाता है। रूपेश ने कहा कि पीएम मोदी से सीधे सवाल करने का जो मौका उन्हें मिला वह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। परीक्षा पर चर्चा करते हुए जो-जो बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कही हैं, उन पर अमल करते हुए सहपाठियों को भी उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेंगे, ताकि सभी सहपाठी अच्छे अंकों से पास होकर भविष्य में तय किए गए लक्ष्य को हासिल करें।

छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति का मोदी ने बढ़ाया सम्मान- साव

पद्म पुरस्कार विजेताओं से प्रेरणा लेंगे कला साधक

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के तीन कलाकारों को एक साथ पद्म पुरस्कार के लिए चुने जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को सम्मान मिला है। उन्होंने तीनों कला साधकों को बधाई देते हुए कहा कि जेल में निरुद्ध लोगों को काष्ठ कला सिखाकर उनकी नकारात्मक सोच को सकारात्मक ऊर्जा में बदलने का अद्भुत कार्य कर रहे काष्ठ शिल्पी अजय कुमार मंडावी, कला के क्षेत्र में डोमार सिंह कुंवर और पंडवानी के माध्यम से लोक चेतना जागरण में रत गायिका उषा बारले को पद्मश्री सम्मान के लिए चयनित करने पर हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने छत्तीसगढ़ की तीन महान कला विभूतियों को पद्म पुरस्कार से विभूषित करने के लिए चयनित किया। छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को वृहद स्तर पर मान्यता देकर प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ वासियों को यह अनमोल उपहार दिया है। हमारे इन कलाकारों को पद्म पुरस्कार से राज्य के सभी कलाकारों को प्रेरणा मिलेगी। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ संस्कृति के बहुतेरे पद्म भारत के सामने हमारी कला संस्कृति का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव : युवा कलाकारों के लोक गीतों ने लुभाया

❑ पंडवानी, भरथरी, धनकुल जगार, राऊत, करमा, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

रायपुर (आरएनएस) । युवाओं ने पंडवानी, भरथरी, धनकुल जगार, राऊत गीत, करमा जैसे पारंपरिक लोक गीतों से खूब लुभाया। छत्तीसगढ़ में सांस्कृतिक विविधता लोक गायन के भी समृद्ध परंपरा युवा महोत्सव में पहले दिन लोक गीतों के माधुर्य से श्रोतागण मंत्रमुग्ध हुएयुवा महोत्सव में पहले दिन लोक गीतों के माधुर्य से श्रोतागण मंत्रमुग्ध हुएयुवा महोत्सव में पहले दिन लोक गीतों के माधुर्य से श्रोतागण मंत्रमुग्ध हुए

युवाओं ने पंडवानी, भरथरी, धनकुल जगार, राऊत गीत, करमा जैसे पारंपरिक लोक गीतों से खूब लुभाया। छत्तीसगढ़ में सांस्कृतिक विविधता के साथ-साथ लोक गायन के भी समृद्ध परंपरा रही है। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में चल रहे युवा महोत्सव में पहले दिन लोक गीतों के माधुर्य से श्रोतागण मंत्रमुग्ध हुए। लोक गीतों की इस प्रतियोगिता का आयोजन पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में हुआ। भरथरी लोक गायन के माध्यम से राजा भरथरी और रानी पिंगला की कथा को युवा कलाकारों ने जीवंत कर दिया।

छत्तीसगढ़ में भरथरी गायन की परम्परा बहुत पुरानी है, जो एक लोक गायन शैली के रूप में प्रतिष्ठित है। भरथरी एक लोकगाथा है। भरथरी गायन प्राय: नाथपंथी गायक करते हैं। भरथरी गायन में सारंगी या इकतारे पर भरथरी गाते हुए योगियों को अक्सर देखा जाता है, लेकिन छत्तीसगढ़ में भरथरी गायन के इस रूप के अलावा महिला कण्ठों के माध्यम से इसने काव्यात्मक और संगीतिक धरातल पर एक नया रूप और रंग ग्रहण किया है। सुरूज बाई खांडे भरथरी-गाथा गायन की शीर्ष लोक गायिका है। सुरूज बाई खांडे की गायन-शैली में एक मौलिक स्वर माधुर्य और आकर्षण मौजूद है।

लोकगीत प्रतियोगिता में प्रदेश के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा संभाग से 15 से 40 और 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। महोत्सव में राऊत गीत की प्रस्तुति भी दी गई। छत्तीसगढ़ की राऊत जाति स्वयं को भगवान श्रीकृष्ण का वंशज मानती है। गोवर्धन पूजा के दिन इनका एक नृत्य गीत प्रारंभ होता है जिसे राऊत गीत कहते हैं।

करमा नृत्य में रायगढ़ और खैरागढ़ रहे विजेता

रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के पहले दिन मुख्य मंच में मांदर की थाप पर कलाकार खूब थिरके। साइंस कॉलेज मैदान में 15 से 40 आयु वर्ग में करमा नृत्य में दुर्ग, रायगढ़, सूरजपुर, कांकेर और बालोद जिले के कलाकारों ने पारम्परिक परिधानों से सज-धज कर मुख्य मंच पर अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में कोरबा महासमुंद जशपुर और खैरागढ़ के कलाकारों ने करमा नृत्य की प्रस्तुति दी, जो दर्शकों को खूब भाया। छत्तीसगढ़ की संस्कृति में प्रचलित अनेक लोक नृत्यों में से करमा नृत्य एक है। करमा नृत्य राज्य में निवास करने वाली जनजातियों द्वारा किया जाता है। ये जनजातियां सरई एवं करम वृक्ष के नीचे इकठ्ठा होकर करमा गीत गाकर नृत्य करते हैं। जनजाति समूह वर्ष में एक बार इकठ्ठा होकर देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करके उत्सव मनाते हैं और करम वृक्ष की टहनी को जमीन में गड़ाकर चारों और घूम-घूमकर आनंदपूर्वक करमा नृत्य करते हैं। करमा नृत्य हमें कर्म का संदेश देता है। राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में 15 से 40 आयु वर्ग में करमा नृत्य में रायगढ़ प्रथम, कांकेर द्वितीय एवं सूरजपुर तृतीय स्थान पर रहा। 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में खैरागढ़ प्रथम, महासमुंद द्वितीय एवं जशपुर तृतीय स्थान पर रहा।

दवा पिलाने गए थे वनकर्मी, हाथी ने पटककर ले ली जान, अब वन विभाग ने जारी किया अलर्ट

अंबिकापुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के बघियाचुआं के जंगल में एक हाथी दो दिनों से डेरा जमाए हुए हैं। बुधवार को देर शाम जब एक वन विभाग का श्रमिक इस हाथी को दवा देने पहुंचा तो हाथी ने श्रमिक को पटककर मार डाला।

वहीं मौके पर मौजूद वन विभाग के अन्य कर्मी और पशु चिकित्सा विभाग के कर्मी जान बचाकर भाग गए। मारे गए श्रमिक का शव देर रात मौके से बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार, जंगली हाथी पिछले दो दिनों से नगर से लगे बधियाचुआं के जंगल में विचरण कर रहा है। उसे लगातार दस्त होने की शिकायत को देखते हुए वन विभाग के अधिकारियों ने पशु चिकित्सक से संपर्क किया।

जिसके बाद टीम हाथी को दवाई देने जंगल पहुंची थी। डॉक्टर ने हाथी को दवा पिलाने के लिए दी थी। दवाई को पानी में घोलकर हाथी को पिलाया जाना था। इसके लिए बुधवार शाम करीब 6।30 बजे अंबिकापुर बीट के वन पाल अशोक पांडेय के साथ आधा दर्जन वनकर्मी और श्रमिकों के साथ पशु चिकित्सा विभाग के कर्मी हाथी को दवा पिलाने पहुंचे थे।

दल ने हाथी को पिलाने के लिए इकठ्ठा किए गए पानी में दवा मिलाई, इस दौरान हाथी जंगल से निकलकर दल की तरफ आते देख कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। शोर सुनकर सभी लोग अलग-अलग दिशा में भागने लगे। इस दौरान वन विभाग का सुरक्षा श्रमिक भीम हड़बड़ी में हाथी की ओर ही भागा।

हाथी ने कर्मचारी को सूंढ़ से उठाकर नीचे पटका- अमले के साथ मौके पर मौजूद वन पाल अशोक पांडेय ने बताया कि सुरक्षा श्रमिक भीम हाथी के पास पहुंच गया। वह वन विभाग की फेंसिंग जाली से टकराकर गिर गया तो हाथी ने उसे सूंढ़ से उठाकर नीचे पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जिसके बाद देर रात उसके शव को बरामद कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। वहीं वन विभाग के कर्मचारियों ने लोगों से सर्तकता बरतने को कहा है। बता दें कि एक सप्ताह में इस हाथी ने 2 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव : शिल्पग्राम में दिख रही छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति की झलक

❑ बेलमेटल, काष्ट कला, माटी कला, टेराकोटा के सजावटी सामान बने आकर्षक का केन्द्र

❑ कोसा, सूती वस्त्रों की भी लोग कर रहे खरीददारी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 28 जनवरी से तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर साइंस कॉलेज परिसर में विभिन्न कलाओं और विधाओं की प्रतियोगिता के साथ छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति की झलक भी दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल से राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में छत्तीसगढ़ के शिल्पियों को अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार व विक्रय का प्लेटफॉर्म मिला है। परिसर में शिल्पग्राम

बनाया गया है, जो अपनी रचनात्मकता के कारण स्व-स्फूर्त लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। यहां प्रदेश स्तर के बुनकर शिल्पी अपने-अपने बेहतरीन व आकर्षक उत्पादों का जीवंत प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर आकर्षक छूट के साथ विक्रय भी कर रहे हैं। शिल्पग्राम में कोसा, रेशमी साड़ी ड्रेस मटेरियल तथा काटन बेडशीट का बेहतरीन संकलन खादी के वस्त्र बेलमेटल, काष्ट कला, माटी कला टेराकोटा के आकर्षक उपयोगी तथा सजावटी सामग्री की खरीदारी करने के साथ लोग सराहना भी कर रहें हैं।

सीएम बघेल के काफि ले में होगी 14 नई फॉर्च्यूनर कारों की एंट्री

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री के काफिले में अब काले रंग की नई चमचमाती टोयोटा फॉच्र्यूनर नजर आएंगी. रमन सरकार में खरीदी गई मित्सुबिसी पजेरो को सुरक्षा कारणों से काफिले से हटाया जा रहा है. पुरानी गाडिय़ां करीब पांच साल चल चुकी हैं. सुरक्षा के लिहाज से भी इन गाडिय़ों को बदलना जरूरी हो गया था. नई गाडिय़ों की खरीदी के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई थी. कमेटी ने कई अलग-अलग कंपनियों के कोटेशन बुलाए थे. कमेटी की ओर से टोयोटा फॉच्र्यूनर पसंद की गई।

कमेटी के अप्रूवल के बाद काफिले के लिए 14 नई गाडिय़ां खरीदी गई है, जिनमें से चार बुलेटप्रूफ बनाई गई है. नई गाडिय़ां एडवांस तकनीक से लैस हैं. बताते हैं कि स्पीड मॉनिटरिंग से लेकर लाइव लोकेशन को भी ट्रैक किया जा सकता है. अब नई गाडिय़ां आ गई है, तो जाहिर मुख्यमंत्री का चुनावी दौरा भी इन्हीं गाडिय़ों से होगा. रमन सरकार के दौरान जब मित्सुबिसी पजेरो खरीदी गई थी, तब गाडिय़ों का नंबर 0004 रखा गया था।

राजनीतिक पंडितों ने यह कहकर माहौल बना दिया था कि सत्ता की चौथी पारी खेलने के इरादे से 0004 नंबर लिया गया है. मगर न्यूमेरोलॉजिस्ट (अंकगणितीय ज्योतिष) की गणना धरी की धरी रह गई. रमन सरकार सत्ता से बाहर हो गई. बहरहाल अब सुनाई पड़ रहा है कि काफिले की नई गाडिय़ों के लिए नंबर की सीरीज ऐसी रखी जा रही है, जिसमें '23' आता हो।

मुख्यमंत्री बघेल ने पद्मश्री सम्मान के लिए चयनित छत्तीसगढ़ की विभूतियों मंडावी और कंवर को फोन पर दी बधाई

❑ छत्तीसगढ़ के कला जगत सहित पूरा प्रदेश हुआ गौरवान्वित

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पद्मश्री सम्मान के लिए चयनित छत्तीसगढ़ की विभूतियों अजय कुमार मंडावी और डोमर सिंह कंवर को फोन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी । उन्होंने देश के प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चयनित होने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि इससे छत्तीसगढ़ का कला जगत सहित पूरा प्रदेश गौरवान्वित हुआ ।

उल्लेखनीय है कि राज्य गठन के बाद यह पहला मौका है जब किसी एक साल में राज्य से तीन हस्तियों को पद्म सम्मानों के लिए चयनित किया गया है । वर्ष 2023 के लिए चुनी गईं तीन हस्तियों में दो आदिवासी समाज से हैं ।

इनमें डोमर सिंह कंवर को नाचा कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्मश्री दिया जाएगा । डोमर सिंह कंवर ने सामाजिक क्षेत्र में भी उल्लेखनीय काम किया है। उन्होंने बाल विवाह जैसी अनेक कुप्रथा रुकवाने में मदद की है। कला के क्षेत्र में जाने माने नाम डोमर सिंह ने देश के अलग-अलग हिस्सों में 5000 से ज्यादा प्रस्तुति दी है।

वहीं अजय कुमार मंडावी को कलाकृतियों का बेजोड़ नमूना तैयार करने के लिए पद्मश्री सम्मान से नवाजा जाएगा । लकड़ी पर कला का शानदार नमूना उकेरने वाले मंडावी कांकेर के रहने वाले हैं।

दुर्ग की सुश्री उषा बारले को पंडवानी गायन के क्षेत्र में पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा । इन्होंने पंडवानी का प्रशिक्षण प्रख्यात पंडवानी गायिका एवँ पद्मविभूषण तीजन बाई से प्राप्त किया है । सुश्री बारले लन्दन एवं न्यूयॉर्क जैसे शहरों में पंडवानी की प्रस्तुति दी है ।

लाखों की नशीली प्रतिबंधित कफ सीरप के साथ 4 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर के सिविल लाईन पुलिस ने 70 कार्टून नशीली प्रतिबंधित कफ सीरप कोडिन के साथ चार आरोपियो को गिरफ्तार किया है। जब्त सिरप की कीमत 15 लाख रुपये बताई जा रही हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ पुलिस एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर रही है।

पुलिस अधीक्षक पारुल माथुर द्वारा नशे के विरुद्ध कार्यवाही करने जिले के थाना प्रभारीयों को निर्देशित दिया गया था,जिसका परिपालन करते हुए सिविल लाइन पुलिस लगातार नशे के विरुद्ध कार्यवाही भी कर रही है। इसी कड़ी में सूचना के आधार पर पुलिस ने जांजगीर के तीन आरोपी और बिलासपुर से एक ट्रांसपोर्टर पकड़ा गया है। जानकारी के अनुसार आरोपियों द्वारा 100 कार्टून नशीला कफ सिरप कोरेक्स मंगाया गया था, जिसे राहुल ट्रांसपोर्टर ने अपने गोदाम में छुपा कर रखा और थोड़ा थोड़ा कार्टून ग्राहकों को उपलब्ध करा रहा था। इस मामले की जानकारी आरक्षक सरफराज को थी जिस जानकारी के आधार पर पुलिस ने यह कार्यवाही की। आरोपी बिना नंबर प्लेट के स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल में नशीले सामान का परिवहन कर रहा था । पुलिस ने आरोपी को नशीला कफ सिरप बेचते रंगे हाथों पकड़ा। बताया जा रहा है कि नशीले कारोबार का तार चेन्नई से जुड़ा हुआ है। इस कोडीन युक्त कफ सिरप की फैक्ट्री उत्तराखंड में होने की बात सामने आई है, जिसे

चेन्नई की कंपनी से रायपुर में ट्रांसपोर्टर की मदद से मंगाया गया था, जहां से बिलासपुर लाकर नशीले सिरप को खपाया जा रहा था । पकड़े गए 8400 नग यानी 70 कार्टून सिरप की कीमत 15 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी डीलर पेंड्री जांजगीर निवासी महेंद्र साहू के साथ पामगढ़ निवासी सत्यनारायण अग्रवाल, तिफरा सिरगिट्टी निवासी रोशन लाल मिश्रा, ग्राहकों को माल उपलब्ध कराने वाले पामगढ़ निवासी राजकुमार केवट को पकड़ा जो महाराणा चौक के पास व्यापार विहार में माल की सप्लाई कर रहा था।

लाल किले में भारत पर्व छत्तीसगढ़ ने जमाया रंग : भारत पर्व में छत्तीसगढ़ के पर्यटन को लेकर लोगों में विशेष रूचि

रायपुर (आरएनएस)। नई दिल्ली के लाल किला प्रांगण में चल रहे भारत पर्व में छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति, पर्यटन, ग्रामोद्योग हस्तशिल्प और गढक़लेवा के स्टॉल को बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। बीते तीन दिनों से छत्तीसगढ़ के स्टॉलों में दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। गढक़लेवा के स्टॉल में छत्तीसगढ़ी व्यंजन का लुफ्त उठाने के साथ ही लोग छत्तीसगढ़ के पर्यटन के बारे में विशेष रूचि दिखा रहे हैं। विदेशी दर्शक बस्तर दशहरा के बारे में जानकारी ले रहे हैं, जबकि देश के अन्य राज्यों के लोग छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के बारे में जानने के लिए छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के स्टॉल में लगातार पहुंच रहे हैं। शनिवार को अवकाश होने के कारण भारत पर्व में लोगों की भीड़ आम दिनों की अपेक्षा ज्यादा थी। लोग दोपहर दो बजे से ही भारत पर्व में विभिन्न राज्यों के कला संस्कृति, टूरिज्म और खान-पान के बारे में जानकारी लेने के लिए पहुंचने लगे थे।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के स्टॉल में पहुंचने वाले सभी दर्शकों को राज्य के पर्यटन स्थलों सहित वहां के जन-जीवन एवं प्राकृतिक परिवेश के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। लोगों ने जशपुर के चाय बागान, राम वन गमन पर्यटन परिपथ को लेकर विशेष रूचि दिखाई और इस संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। विदेशी पर्यटकों को बस्तर दशहरा के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए राज्य की प्राचीन लोक कला, आदिवासियों के खान-पान, होमस्टेट की सुविधा से अवगत कराया गया। छत्तीसगढ़ के गढक़लेवा पारंपरिक व्यंजनों का देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए अतिथियों ने खूब स्वाद लिया। गढक़लेवा के स्टॉल में बच्चों ने इमली के लाटा और बेर (बोईर)का पापड़ी को खूब पसंद किया गया।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गर्वनिंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.वी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करवाएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU